

तक पहुंचा रहा है। इसके अतिरिक्त पोर्टल पर भी अपने आवेदन की स्थिति को जानने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस बेहतर गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के लिये मध्यप्रदेश मदरसा बोर्ड, भोपाल को ISO 9001:2008 प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है।

6. मदरसों में स्मार्ट क्लासेज – माननीय राज्य सभा सांसद श्री एम.जे. अकबर जी द्वारा सांसद निधि से मदरसों में स्मार्ट क्लास हेतु राशि स्वीकृत कर प्रदेश के 11 मदरसों को स्मार्ट क्लास उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं जिससे अब उक्त मदरसों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को भी नवीन तकनीक से अध्यापन कराया जा रहा है। इसके पश्चात् प्रदेश के 10 अन्य मदरसों हेतु रु. 35 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। शीघ्र ही इन मदरसों में भी स्मार्ट क्लासेज प्रारंभ की जाएगी।
7. मदरसा बोर्ड द्वारा कक्षा 08वीं की परीक्षाएं NIOS के पेटर्न पर आयोजित करने की योजना – अल्पसंख्यक शिक्षा का विस्तार करने के लिये बोर्ड द्वारा अपने कार्यक्षेत्र का भी विस्तार किया गया है। समस्त अल्पसंख्यक समुदायों के लिये मदरसा बोर्ड अब NIOS के पेटर्न पर खुली शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत माध्यमिक स्तर की परीक्षा का आयोजन करने जा रहा है। यह परीक्षा तीनों माध्यमों (हिन्दी, अंग्रेजी एवं उर्दू) में आयोजित कराई जाएंगी। इस परीक्षा में 14 वर्ष से अधिक आयु के अल्पसंख्यक वर्ग सम्मिलित हो सकेंगे। मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय द्वारा पत्र क्रमांक – एफ 46-1/2018/20-3 भोपाल, दिनांक 30.08.2018 के माध्यम से अनुमति प्रदान की गई है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से नव साक्षर लड़कियों/महिलाओं, औपचारिक स्कूली शिक्षा के Dropouts के लिये तैयार किया गया है। इसके माध्यम से यह वर्ग भी शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल हो सकेगा और केन्द्र एवं राज्य शासन की कौशल विकास योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

3.3.3 मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा परिषद

3.3.3.1 रूक जाना नहीं योजना

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्य प्रदेश, भोपाल से कक्षा दसवीं एवं बारहवीं अनुत्तीर्ण होने तथा साल बर्बाद होने के कारण कतिपय विद्यार्थियों के द्वारा आत्मघाती कदम उठाये जाने की प्रवृत्ति को देखते हुए मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा परिषद के द्वारा रूक जाना नहीं योजना शासन के अनुमोदन उपरान्त प्रारंभ की गई। जिसके तहत माध्यमिक शिक्षा मण्डल से अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को परीक्षा के दो अवसर प्रदान किये जाते हैं। इससे कई परीक्षार्थियों के द्वारा प्रथम अवसर की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर उनका साल बर्बाद होने से बच गया तथा दसवीं के परीक्षार्थी द्वारा ग्यारहवीं में प्रवेश लेकर अध्ययनरत हैं तथा कक्षा बारहवीं के उत्तीर्ण परीक्षार्थी अपने उच्च अध्ययन हेतु अन्य संस्थाओं में प्रवेश लेकर अध्ययनरत हैं।

उक्त योजना के तहत परीक्षार्थी को परीक्षा उत्तीर्ण करने के दो अवसर प्रदान किये जाते हैं। परीक्षार्थी को परीक्षा के लिए उनके पूर्व पाठ्यक्रम अनुसार ही प्रश्न पत्र तैयार कर परीक्षाएं सम्पन्न कराई जाती हैं। 'रूक जाना नहीं' योजनान्तर्गत प्रवेश/परीक्षा आवेदन पत्र ऑन लाईन के माध्यम से भराये जाकर जून 2016 के दूसरे सप्ताह में परीक्षाएं प्रदेश के समस्त 51 जिला मुख्यालयों में बनाए गए परीक्षा केन्द्रों पर

आयोजित की जाती है। परीक्षाएं निष्पक्ष, निर्विघ्न एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हों इस हेतु ओपन स्कूल के अधिकारियों के दल के साथ जिले के मैदानी अधिकारियों द्वारा परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। मध्य प्रदेश शासन के अधिकारियों/संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण/जिला शिक्षा अधिकारियों एवं केन्द्रों के केन्द्राध्यक्ष एवं स्टाफ के सहयोग से परीक्षाएं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न होती हैं।

रुक जाना नहीं योजना के अन्तर्गत सम्मिलित परीक्षार्थियों के अमूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं का संकलन संकलन केन्द्रों पर कराया जाकर प्रदेश में प्रथम बार डिजिटल मूल्यांकन का कार्य कराया जाता है। समस्त अमूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैनिंग कराई जाकर उत्तर पुस्तिकाओं का डिजिटल मूल्यांकन कार्य कराया जाता है। डिजिटल मूल्यांकन कराये जाने से मूल्यांकन कार्य में पारदर्शिता आई तथा परीक्षा परिणाम पारदर्शी रूप में समय सीमा के भीतर घोषित किया जा सका है। उक्त परीक्षा में सम्मिलित हुए परीक्षार्थियों की अंक सूचियां इनके परीक्षा केन्द्रों के माध्यम से वितरित कराई जाती है।

परीक्षा आयोजन के पूर्व परीक्षार्थियों की विषय संबंधी कठिनाईयों के निवारण हेतु 07 दिवस का सम्पर्क कार्यक्रम समस्त जिलों में आयोजित किया जाता है। जिसमें परीक्षार्थियों की अपनी विषय संबंधी कठिनाईयों का निराकरण विषय विशेषज्ञों के माध्यम से किया जाता है। इन परीक्षाओं में सम्मिलित होने के पश्चात् विद्यार्थियों द्वारा आत्मघाती कदम उठाये जाने की घटनाओं में अप्रत्याशित कमी आई है। उक्त योजना से विद्यार्थी एवं पालक दोनों में प्रसन्नता व्याप्त है।

डिजीटल इंडिया के सपने को साकार करने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा परिषद में प्रवेश फार्म ऑन लाईन, प्रवेश पत्र ऑन लाईन से प्राप्त करने, डिजीटल मूल्यांकन कार्य करने के साथ ऑन लाईन माइग्रेशन परीक्षार्थियों को उपलब्ध कराने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। जिससे परीक्षार्थियों को माइग्रेशन आसानी से उपलब्ध हो रहा है।

परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों की संख्या का विवरण

क्र.	परीक्षा वर्ष	योजना का नाम	सम्मिलित कक्षा 10 वीं	सम्मिलित कक्षा 12 वीं	उत्तीर्ण कक्षा 10 वीं	उत्तीर्ण कक्षा 12 वीं
1	जून, 2017	रुक जाना नहीं	41,608	42,367	05,252	18,400
2	जून, 2017	ओपन स्कूल परम्परागत	05,749	05,283	01,776	01,999
3	दिसम्बर, 2017	रुक जाना नहीं	32,397	17,735	14,321	10,331
4	दिसम्बर, 2017	ओपन स्कूल परम्परागत	13,879	08,800	03,470	03,186
5	जून, 2018	रुक जाना नहीं	59,665	64,659	28,637	30,764
6	जून, 2018	ओपन स्कूल परम्परागत	12,047	06,634	02,595	01,836
7	दिसम्बर, 2018	रुक जाना नहीं	22,231	25,195	09,735	12,380
8	दिसम्बर, 2018	ओपन स्कूल परम्परागत	09,712	06,431	02,824	02,343

ओपन स्कूल के परम्परागत विद्यार्थियों की परीक्षाएं

रुक जाना नहीं योजना की परीक्षा के साथ-साथ ही ओपन स्कूल में परम्परागत परीक्षार्थियों की भी परीक्षाएं तथा मध्य प्रदेश मदरसा बोर्ड में प्रवेशित कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं के विद्यार्थियों की भी परीक्षाएं विगत 2016 से वर्तमान पर्यन्त तक आयोजित की जा रही है।

मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा परिषद के द्वारा 04 मार्च, 2018 को प्रदेश के उत्कृष्ट एवं मॉडल विद्यालयों में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया था उक्त प्रवेश पात्रता परीक्षा में कुल 98,969 विद्यार्थी सम्मिलित हुए। उक्त परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन डिजीटल रूप से कराया गया। परीक्षा परिणाम एक माह के रिकार्ड समय में ही घोषित कर दिया गया। इसी प्रकार श्रमोदय विभाग द्वारा संचालित आवासीय विद्यालयों में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षाओं का आयोजन 20 मई, 2018 को किया गया, जिसमें 18,300 विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

अध्ययन सामग्री

छात्रों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए अध्ययन सामग्री ओपन स्कूल की वेबसाइट पर जारी की गई। म.प्र. राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा परिषद की कक्षा दसवीं तथा बारहवीं के पाठ्यक्रम में क्रमशः 11 व 18 विषय सम्मिलित हैं। कक्षा 10वीं में कुल 5 भाषाएँ तथा अन्य शैक्षिक विषय हैं। जबकि कक्षा 12वीं में 3 भाषाओं तथा 4 व्यवसायिक विषयों सहित कुल 18 विषय हैं। जिनमें से विद्यार्थियों द्वारा अधिकतम 2 भाषाओं का चयन किया जा सकता है।

व्यवसायिक शिक्षा

म.प्र. राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा परिषद द्वारा कक्षा 12वीं के पाठ्यक्रम में चार व्यवसायिक विषय यथा स्टेनोग्राफी (हिन्दी), खाद्य संसाधन, कटिंग टेलरिंग एण्ड ड्रेस मटेरियल तथा कम्प्यूटर हार्डवेयर असम्बली एण्ड मेंटेनेंस तथा उद्यमिता एवं कौशल विकास की शिक्षा दी जा रही है। ये विषय कुछ चुने हुए अध्ययन केन्द्रों पर उपलब्ध कराये गये हैं। विद्यार्थी इन चार विषयों में से किसी एक विषय का चयन, अन्य विषयों के साथ कर सकता है।

आई.टी.आई विद्यार्थियों के लिये योजना

प्रदेश के विद्यार्थी आई.टी.आई करने के बाद रोजनगार के साथ-साथ उच्च शिक्षा भी प्राप्त कर सके इस हेतु कक्षा 10 वीं उत्तीर्ण करने के पश्चात आई.टी.आई. उत्तीर्ण विद्यार्थियों को ओपन स्कूल के कक्षा 12 वीं के दो विषय उत्तीर्ण करने के उपरान्त समकक्ष माना जायेगा। इसके तहत विद्यार्थियों को आई.टी.आई. में अध्ययन करते समय ही मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड, भोपाल द्वारा आयोजित परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु केवल दो अतिरिक्त विषयों यथा हिन्दी, संस्कृत, उर्दू, अंग्रेजी में से एक भाषा तथा दूसरे विषय के रूप में रोजगार कौशल एवं उद्यमिता की परीक्षा देना होगा। शेष तीन विषय आई.टी.आई. से संबंधित तकनीकी विषयों से होंगे। यह योजना उन विद्यार्थियों के लिये जो पूर्व में कक्षा 10 वीं उपरान्त आई.टी.आई. उत्तीर्ण कर चुके हैं अथवा अध्ययनरत हैं। उक्त योजना हेतु विद्यार्थियों को मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा एम.पी.ऑन लाईन के माध्यम से आवेदन किये जाने की सुविधा प्रदान की

गई है। इस संबंध में मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड एवं कौशल विकास संचालनालय के मध्य अनुबंध भी हस्ताक्षरित किया गया है।

इस योजना में सम्मिलित विद्यार्थियों की परीक्षाएं दिसम्बर-2018 में आयोजित कराई जा चुकी हैं जिसमें 938 विद्यार्थी परीक्षा हेतु पात्र पाए गये। उक्त परीक्षा में सम्मिलित विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम तैयार किया जाकर घोषित किया जा चुका है।

वर्ल्ड ऑन व्हील प्रोजेक्ट

डिजिटल एजुकेशन एवं जागरूकता के लिये 20 कम्प्यूटर की मोबाईल लेब युक्त बस के द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं तहसील पर स्थित विद्यालयों में कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। यह मोबाईल बस सोलर उर्जा से संचालित है। इस मोबाईल बस के लिये EDII(Entrepreneurship Development Institute of India , Gandhi Nagar,Gujrat) से अनुबंध हस्ताक्षरित किया गया है। उक्त बस वर्तमान में लगभग 02 जिलों को कवर कर चुकी है। उक्त बस के प्रति विद्यार्थियों में अत्यधिक उत्साह देखा गया है। विधानसभा चुनाव 2018 के समय उक्त बस का उपयोग मतदाताओं को मताधिकार के प्रति जागरूकता प्रदान करने के लिये भी कलेक्टर, खण्डवा के द्वारा उपयोग किया गया।

कम्प्यूटर लेब हेतु अनुदान

मध्य प्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड, भोपाल के 09 संभागीय मुख्यालयों एवं खण्डवा जिले में एक विद्यालय सहित संकलन/मूल्यांकन केन्द्रों (शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय) को सुदृढ़ बनाने की दृष्टि से इन विद्यालयों में 100 कम्प्यूटर से सज्जित लेब एवं उसके फर्नीचर हेतु ओपन स्कूल की निधि से 05 करोड़ 40 लाख रुपये स्वीकृत किये गये हैं।

प्रवेश शुल्क में छूट

म.प्र. राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा परिषद में अनु.जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों, विकलांग छात्रों, महिलाओं एवं गरीबी रेखा से नीचे (BPL)कार्ड को प्रवेश शुल्क में छूट दी गई है। जिससे इस वर्ग के कई विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

रुक जाना नहीं योजना (2018) प्रथम चरण एवं द्वितीय चरण

रुक जाना नहीं योजना के प्रथम चरण की परीक्षाएं जून-2018 में प्रदेश के समस्त 51 जिला मुख्यालय पर बनाए के परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षाएं आयोजित की गयीं। प्रथम चरण जून, 2018 में इस योजना के तहत कक्षा 10वीं में कुल 59665 एवं 12 वीं में कुल 64658 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए हैं। इसी प्रकार द्वितीय चरण दिसम्बर, 2018 की परीक्षा में कक्षा 10वीं में 22,231 तथा 12वीं में 25,195 छात्र प्रविष्ट हुए।

3.3.4 महर्षि पंतजलि संस्कृत संस्थान

3.3.4.1 महर्षि पंतजलि संस्कृत संस्थान, शासकीय जीवाजी वेधशाला उज्जैन एवं शासकीय योग प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल की समेकित वेबसाइट www.mpssbhopal.org प्रारंभ कर दी गयी है। जिसमें संस्थान से संबंधित समस्त जानकारी एवं आयोजन, गतिविधियों, पाठ्यक्रम, परीक्षा, सम्बद्धता, प्रशिक्षण आदि के संबंध में जारी किये जाने वाले आदेश अपलोड किये गये हैं। लगभग 538 प्राचीन पुस्तकों को स्कैन किया जाकर वेबसाइट पर अपलोड किया गया है जो पब्लिक डोमेन पर उपलब्ध है।

2. तीनों संस्थाओं की गतिविधियों के प्रचार-प्रसार हेतु डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाई जाकर मोबाईल बस द्वारा प्रदेश में प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। संस्थान से सम्बद्ध विद्यालयों के लिये वार्षिक शैक्षणिक कलेण्डर जारी किया गया है जिससे समस्त संबंधित संस्कृत विद्यालयों में शैक्षिक एवं अन्य गतिविधियों में समानता रहे। महर्षि पंतजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल के सर्वसुविधा युक्त 4 मंजिला नवीन भवन हेतु लागत रु. 8.38 करोड़ स्वीकृत किये गये। इस भवन में 165 सीटर आडीटोरियम, गेस्ट हाऊस एवं कार्यालय की व्यवस्था है। जिसका निर्माण कार्य पी.डब्ल्यू.डी. (पी.आई.यू.) द्वारा किया जा रहा है।

3. प्रदेश का पहला राज्यस्तरीय शासकीय कन्या आवासीय संस्कृत उ.मा. विद्यालय भोपाल जो GARGI'S (GOVT.ADARSH RESIDENTIAL GIRLS INSTITUTE FOR SANSKRIT) के नाम से जाना जाता है, जुलाई 2018 से प्रारंभ किया गया है। विद्यालय में कक्षा 6 से 12वीं तक संस्कृत माध्यम में शिक्षा दी जा रही है। सत्र 2018-19 में मेरिट सूची के आधार पर कक्षा 6 एवं कक्षा 9वीं में छात्राओं को प्रवेश दिया गया है। इस विद्यालय में 90 सीटर छात्रावास, निःशुल्क भोजन, स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय एवं समस्त सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यहाँ छात्राएँ पारम्परिक एवं आधुनिक पद्धतियों के माध्यम से अध्ययन कर रही हैं। आगामी वर्ष में इसे 210 सीटर छात्रावास बनाया जायेगा।

4. प्रदेश में पांच आदर्श संस्कृत विद्यालय, सिरोंज, दतिया, उज्जैन, बुरहानपुर एवं बरही (कटनी) में प्रारंभ किये जा चुके हैं। इन विद्यालयों में संस्कृत की शिक्षा के परम्परागत विधि से किये जा रहे अध्ययन को और भी अधिक उद्देश्यपूर्ण बनाने के लिये आधुनिक पद्धति से भी शिक्षा का प्रावधान है। इन सभी विद्यालयों में संस्कृत और इसके साहित्य तथा प्राच्य संस्कृत को सम्मिलित करते हुये संस्कृत में ज्ञान की सम्बद्ध शाखाओं के अध्ययन की व्यवस्था की गयी है।

5. व्यावहारिक ज्योतिर्विज्ञान, व्यावहारिक वास्तुशास्त्र एवं पौरोहित्यम (कर्मकाण्ड) में एक वर्षीय रोजगारोन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जाकर अनुसंधान एवं अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गयी है। यहाँ प्रत्येक विधा में 30-30 सीटे इस प्रकार कुल 90 सीटें पर मेरिट के आधार पर प्रवेश का प्रावधान है। यहाँ सायंकालीन कक्षाएँ संचालित की जाती हैं।

6. संस्कृत साहित्य एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति की विशेषताओं से परिचित कराने के लिये संस्थान द्वारा दिनांक 18 मार्च 2018 को भोपाल में राज्यस्तरीय संस्कृत सम्मेलन एवं नवसम्बत्सर महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें देश के प्रख्यात संस्कृत विद्वानों, प्रदेश के संस्कृत विद्यालयों के शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा सहभागिता की गयी। आयोजन में संस्कृत गीत, राष्ट्रीय स्तर पर विख्यात ध्रुवा संस्कृत बैण्ड एवं शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति की गई है।
7. वर्ष 2017-18 में आयोजित कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की प्राविण्य सूची में प्रथम 10-10 स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को प्रोत्साहन स्वरूप कुल राशि रु. 4 लाख 83 हजार के डिमांड ड्राफ्ट, प्रशस्ति पत्र एवं मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया। संस्कृत शिक्षा एवं योग के क्षेत्र उत्कृष्ट कार्य करने वाले 3 शिक्षकों को सम्मान निधि रु. 10000/- (प्रत्येक शिक्षक को) एवं प्रशस्ति पट्टिका से सम्मानित किया गया है।
8. दिनांक 23.08.2018 से 29.08.2018 तक संस्कृत सप्ताह एवं श्रावणी पर्व के उपलक्ष्य में भारतीय संस्कृति, मानवीय मूल्य एवं विश्व बन्धुत्व के भावों को अपने अन्दर संजोए हुए वर्तमान में संगणक के लिए सर्वोत्कृष्ट संस्कृत भाषा को जन-जन की भाषा बनाने के उद्देश्य से प्रदेश के समस्त शासकीय उत्कृष्ट विद्यालयों एवं शासकीय/अशासकीय/प्राच्य/परम्परागत संस्कृत उ.मा.विद्यालयों में 7 दिवसीय संस्कृत सप्ताह महोत्सव के आयोजन हेतु महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान द्वारा विद्यालयों को प्रति विद्यालय राशि रु. 2000/- उपलब्ध कराये जाने का प्रावधान है।
9. प्राच्य एवं परम्परागत संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये दो विद्यालयों के अधोसंरचना विकास के लिये रु.50-50 लाख वित्तीय सहायता की स्वीकृति प्रदान की गई है।
10. भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से जनसामान्य को परिचित कराने के उद्देश्य से प्रदेश के जिलों में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित मंचों पर प्रशंसित "षोडश संस्कार नाटिका" के प्रस्तुतिकरण की श्रृंखला प्रारंभ की गई है। इसके प्रथम चरण में राजगढ़, धार, सतना, टीकमगढ़, विदिशा एवं हरदा जिलों में आम जनता के समक्ष इस नाटक की प्रस्तुति की गई है।
11. संस्कृत विद्यालयों में अध्यनरत प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान कर इन विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में भेजने के लिये दिनांक 26.10.2018 से 28.10.2018 तक राज्य स्तरीय शास्त्रीय प्रतिभा खोज चयन स्पर्धा श्री रावतपुरा सरकार संस्कृत उ.मा.विद्यालय लहार भिण्ड में आयोजित की गयी। इन स्पर्धाओं में चयनित छात्रों द्वारा राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय स्पर्धा में प्रतिभागिता की गई। राज्यस्तरीय स्पर्धा में संस्थान से सम्बद्ध संस्कृत विद्यालयों के

एक छात्र को प्रथम स्थान प्राप्त होने के कारण राष्ट्रीय शास्त्रीय स्पर्धा अगरतला (त्रिपुरा) में प्रतिभागिता का अवसर प्राप्त हुआ है।

12. संस्थान की विद्या परिषद् द्वारा अनुमोदित कक्षा 1 से 12वी तक नवीन पाठ्यक्रम आधारित 58 संस्कृत पाठ्यपुस्तकों का लेखन कार्य मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा गठित पाठ्यपुस्तक लेखन समन्वय समिति के मार्गदर्शन में राज्य शिक्षा केन्द्र मध्यप्रदेश के सहयोग से प्रारंभ हो गया है। संस्थान द्वारा 58 संस्कृत पाठ्यपुस्तकों के निर्माण का कार्य प्रारंभ हो गया है। इस हेतु रु. 4.65 करोड़ स्वीकृत है। वर्तमान में 03 पुस्तकों का लेखन किया जाकर अनुमोदन हेतु प्रस्ताव राज्य शिक्षा केन्द्र को प्रेषित किया गया है एवं इनके प्रायोगिक संस्करण संस्थान के वेबसाईट पर अपलोड किये गये हैं। इसके अतिरिक्त 04 पाठ्यपुस्तकों एवं नर्सरी, एल.के.जी.(अरुण) एवं यू.के.जी.(उदय) से कक्षा 04 तक के पुस्तकों के लेखन के लिए प्रारंभिक प्रक्रिया प्रचलन में है।

13. सत्र 2017-18 में माह नवम्बर 2018 तक प्रथमा से उत्तरमध्यमा स्तर तक के कुल 206 विद्यालयों को नवीन सम्बद्धता एवं सम्बद्धता का नवीनीकरण किया गया है। प्रदेश में संस्कृत भाषा में अध्ययन-अध्यापन के उद्देश्य से नर्सरी से कक्षा 4 तक की कक्षाएं संचालित करने के लिए 02 विद्यालयों को सम्बद्धता प्रदान की गई है।

14. इस वर्ष से सभी सम्बद्धता प्राप्त संस्कृत विद्यालयों में एल.के.जी.(अरुण) से संस्कृत शिक्षा की सुविधा उपलब्ध रहेगी। सम्बद्धता प्राप्त शासकीय/अशासकीय संस्कृत विद्यालय एवं परम्परागत आवासीय संस्कृत विद्यालयों के 89 संस्कृत शिक्षकों एवं प्राचार्यों को कौशल विकास एवं शाला प्रबंधन हेतु दिनांक 13.03.2018 से 18.03.2018 तक प्रशिक्षण दिया गया है।

15. सम्बद्ध समस्त विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों में एकरूपता एवं गुणवत्ता हेतु वार्षिक कैलेंडर भी जारी किया गया है।

16. महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित बोर्ड पूर्वमध्यमा अंतिम खण्ड एवं उत्तमध्यमा अंतिम खण्ड की परीक्षाओं को माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा क्रमशः हाईस्कूल (10वी) एवं हायर सेकेण्डरी (12वी) के समकक्ष मान्यता प्रदान की गई है। संस्थान द्वारा आयोजित पूर्वमध्यमा एवं उत्तरमध्यमा द्वितीयखण्ड (कक्षा - 10वीं एवं 12वीं) की परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं के डिजिटल मूल्यांकन की व्यवस्था की गयी है। जिससे परीक्षाएं अधिक पारदर्शी हो गयी है। संस्थान की परीक्षाओं में सम्मिलित परीक्षार्थियों के प्रव्रजन (माईग्रेशन) एवं अंकसूची की द्वितीय प्रति के आवेदन एम.पी.ऑन लाईन के माध्यम से जमा कर जारी किये जाते हैं।

17. संस्थान से सम्बद्ध विद्यालय में पूर्वमध्यमा प्रथम खण्ड से उत्तरमध्यमा अंतिम खण्ड (कक्षा 9वीं से 12वीं) में प्रवेश लेने वाले छात्रों को संस्थान की परीक्षा प्रणाली के अन्तर्गत प्रश्न पत्रों की जानकारी से अवगत कराने के लिए दिनांक 10.09.2018 से 14.09.2018 तक पाठ्यक्रम आधारित विषयों पर प्रश्न बैंक कार्यशाला आयोजित की जाकर संस्कृत के विषय विशेषज्ञों के सहयोग से प्रश्न बैंक एवं आदर्श उत्तर तैयार कराये जाकर संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड किये गये हैं।

18. संस्थान स्थित पुस्तकालय में व्याकरण, ज्योतिष, वेद, पुराण, धर्मशास्त्र, मीमांसा, कर्मकाण्ड, जैनदर्शन, बौद्धदर्शन आदि संस्कृत विषयों के 2084 ग्रन्थ एवं अन्य साहित्य उपलब्ध हैं जिनका विवरण निम्नानुसार है :-

विषय	संख्या	विषय	संख्या
व्याकरण	87	कोष	25
ज्योतिष	76	दर्शन	61
न्याय	07	शिक्षा	06
वेद	43	इतिहास	40
पुराण	50	अर्थशास्त्र	03
धर्मशास्त्र	32	साहित्य / नाटक / निबंध	375
मीमांसा	09	आयुर्वेद	27
कर्मकाण्ड	45	अन्य पुस्तकें	660
प्राचीन ग्रन्थ डिजिटल वर्जन	538		

3.3.4.2 जीवाजी वेधशाला उज्जैन

1. वेधशाला की वेबसाइट www.jiwajiobservatory.org का निर्माण किया जा चुका है। वेबसाइट में प्राचीन यंत्रों, मौसम के यंत्रों, पंचांग, पुस्तकों, फोटो गैलरी, वेधशाला के कार्यों आदि को स्थान दिया गया है तथा वेधशाला के पुस्तकालय में स्थित सम्पूर्ण प्राचीन ग्रन्थों का डिजिटलाइजेशन किया जाकर वेबसाइट में अपलोड किया जा चुका है। वेधशाला के कुल प्राचीन दुर्लभ 538 ग्रन्थों को अपलोड किया गया है।
2. मौसम के सटीक पूर्वानुमान भेजने हेतु भारत सरकार पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग के प्रादेशिक मौसम केन्द्र नागपुर द्वारा इस वर्ष भी अति-उत्तम कार्य हेतु वेधशाला को प्रावीण्य प्रमाण पत्र एवं राशि रुपये 500/- से पुरस्कृत किया गया है।

3. वेधशाला परिसर में निःशुल्क 150 शौदार एवं 125 गुलाब के पौधे लगाये गए हैं। घास के तीन लॉन विकसित किये गये हैं। बेल वाले फूलदार पौधों को 8 फीट ऊंचे स्टेण्डों पर विकसित कर 6 सेल्फी प्वाइन्ट विकसित किए गए हैं।
4. सिंहस्थ 2016 के दौरान शेष रही बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण शीघ्र कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। बाउण्ड्रीवॉल निर्माण के साथ रिक्त स्थान पर नक्षत्र वाटिका बनाने का कार्य वन मण्डल अधिकारी उज्जैन के सहयोग से प्रगति पर है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2019 के अन्तर्गत वेधशाला की बाउण्ड्रीवॉल की दीवारों पर 3डी कलर पेंटिंग का कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है।
5. 21 मार्च, 21 जून, 23 सितम्बर एवं 22 दिसम्बर की खगोलीय घटना को वेधशाला के प्राचीन यंत्रों के द्वारा दिखाया गया एवं प्रिंट तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया द्वारा व्यापक प्रचार प्रसार किया गया।
6. दिनांक 31 जनवरी 2018 एवं 27-28 जुलाई 2018 की रात्रि में हुए पूर्ण चन्द्रग्रहण को वेधशाला द्वारा टेलिस्कोप के माध्यम से दिखाया गया जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों को खगोलीय घटना की सारगर्भित जानकारी सहित अवलोकन कराया गया।
7. दिनांक 18 से 26 मई 2018 तक खगोलीय अवलोकन केम्प लगाकर टेलिस्कोप के माध्यम से नागरिकों को आकाशीय अवलोकन करवाया गया। खगोलीय प्रदर्शनी लगाई गई एवं प्राचीन भारतीय कालगणना पद्धति की जानकारी दी गई।
8. वित्तीय वर्ष 2017-18 में कुल 56,975 पर्यटकों ने वेधशाला अवलोकन किया। 16095 पर्यटकों ने तारामण्डल तथा 793 पर्यटकों ने टेलिस्कोप से आकाशीय अवलोकन किया। इस वित्तीय वर्ष में 214 विदेशी पर्यटकों का भी वेधशाला में आगमन हुआ।

3.3.4.3 शासकीय योग प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल

शासकीय योग प्रशिक्षण केन्द्र म०प्र०, भोपाल एक राज्य स्तरीय योग प्रशिक्षण संस्था है, जिसमें वर्ष भर योग प्रशिक्षण सत्र एवं योग प्रशिक्षण गतिविधियां संचालित होती हैं। म०प्र० शासन स्कूल शिक्षा विभाग के आदेश क्र. एफ 44-04/2009/20-3 भोपाल, दिनांक 08.06.2009 के द्वारा शासकीय योग प्रशिक्षण केन्द्र का नियंत्रण महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल के अधीन कर दिया गया है।

1. यह संस्था मध्यप्रदेश की एक मात्र शासकीय योग संस्था है जिसमें योगासन, सूर्यनमस्कार, चंद्रनमस्कार, प्राणायाम, स्थूल एवं सूक्ष्म व्यायाम, शुद्धि क्रियाएं (षट्कर्म) एवं ध्यान व त्राटक का प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्ष भर की योग गतिविधियों का वार्षिक योग पंचांग प्रतिवर्ष आयुक्त लोक शिक्षण म०प्र० द्वारा

जारी किया जाता है, जिसके आधार पर शासकीय योग प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा योग गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। प्रत्येक 30 दिवसीय योग प्रशिक्षण सत्र में 10 स्थान जन सामान्य के इच्छुक अशासकीय पात्र व्यक्तियों हेतु उपलब्ध हैं। निर्धारित आवेदन पत्र प्राप्त होने पर सम्बन्धित जनों को योग प्रशिक्षण सत्र में सशुल्क प्रवेश दिया जाता है।

2. मई 2018 से दिसम्बर 2018 तक मध्यप्रदेश के शासकीय विद्यालयों के 200 शिक्षकों/प्राचार्यों/अधिकारियों एवं जन सामान्य के इच्छुक अशासकीय पात्र व्यक्तियों को मासिक/13 दिवसीय योग प्रशिक्षण दिया गया।
3. स्वामी विवेकानंद जयंती 12 जनवरी 2018 के वृहद राज्यस्तरीय सूर्यनमस्कार कार्यक्रम के आयोजन हेतु पूर्व तैयारी में सहयोग किया गया, मुख्य कार्यक्रम में सम्मिलित विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को सूर्यनमस्कार का विधिवत् प्रशिक्षण दिया गया। सूर्यनमस्कार के मुख्य कार्यक्रम में योग केन्द्र के प्रशिक्षकों, प्रशिक्षणार्थियों एवं स्टॉफ द्वारा सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग प्रदान किया गया।
4. 21 जून 2018 विश्व योग दिवस के महा आयोजन हेतु भोपाल शहर के इच्छुक जन सामान्य एवं अधिकारी/कर्मचारियों को योग केन्द्र में विश्व योग दिवस के कॉमन योग प्रोटोकॉल का पूर्व अभ्यास 5 दिवस के विशेष शिविर में कराया गया। इस आयोजन में योग केन्द्र के प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षणार्थियों द्वारा सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग प्रदान किया गया।
5. म0प्र0शासन स्कूल शिक्षा विभाग के पत्र क्र. 1516/1123/2017/20-3 भोपाल, दिनांक 22.09.17 द्वारा महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल को एक वर्षीय व्यावहारिक ज्योतिर्विज्ञान, व्यावहारिक वास्तुशास्त्र एवं पौराहित्यम् पत्रोपाधि (डिप्लोमा) पाठ्यक्रम संचालित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। संस्थान के निर्देश के पालन में शासकीय योग प्रशिक्षण केन्द्र म0प्र0, भोपाल में दिसम्बर 2017 से सायं काल 6 बजे से 8 बजे तक व्यावहारिक ज्योतिर्विज्ञान (ज्योतिष) की कक्षाओं का संचालन किया गया, जिसकी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएँ जून 2018 में एवं द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएँ दिसम्बर 2018 में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुईं। आगामी व्यावहारिक ज्योतिर्विज्ञान (ज्योतिष) की कक्षाओं हेतु में प्रवेश हेतु समाचार पत्रों में विज्ञापन जारी किया जा चुका है।
6. अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारियों हेतु 30 दिवसीय विशेष योग प्रशिक्षण सत्र आयोजित कर प्रशिक्षित किया गया।

क्र.	विभाग का नाम	प्रशिक्षण अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	जनजातीय कार्य विभाग	08.01.2018 से 06.02.2018	33
2	उच्च शिक्षा विभाग	12.02.2018 से 14.03.2018	21
3	पुलिस विभाग	23.04.2018 से 22.05.2018	25

7. 07 मई 2018 से 30 मई 2018 तक विभागीय प्राचार्यों/अधिकारियों हेतु 10 दिवसीय योग प्रशिक्षण सत्र आयोजित कर प्रशिक्षित किया गया। योग प्रशिक्षण सत्रों का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	प्रशिक्षण/गतिविधि का विवरण	सम्मिलित सम्भाग/जिले	प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागियों की संख्या
1	07.05.2018 से 16.05.2018 10 दिवसीय प्रारम्भिक स्तरीय योग प्रशिक्षण (प्राचार्य/अधिकारी स्तर)	जबलपुर- जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, डिण्डोरी, सिवनी, छिंदवाड़ा, मण्डला, बालाघाट नर्मदापुरम- होशंगाबाद, हरदा, बैतूल शहडोल- शहडोल, अनूपपुर, उमरिया उज्जैन- उज्जैन, शाजापुर, देवास, नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर मालवा रीवा- रीवा, सीधी, सिंगरौली, सतना	06
2	21.05.2018 से 30.05.2018 10 दिवसीय प्रारम्भिक स्तरीय योग प्रशिक्षण (प्राचार्य/अधिकारी स्तर)	भोपाल- भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा, राजगढ़ इन्दौर- इन्दौर, धार, अलीराजपुर, झाबुआ, खण्डवा, बुरहानपुर, खरगौन, बड़वानी सागर- सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, दमोह, पन्ना ग्वालियर- ग्वालियर, भिण्ड, मुरैना, गुना, दतिया, श्योपुर, अशोकनगर, शिवपुरी	42

7. 18 जून 2018 से 17 जुलाई 2018 तक विभागीय शिक्षकों हेतु 30 दिवसीय योग प्रशिक्षण सत्र आयोजित कर प्रशिक्षित किया गया। योग प्रशिक्षण सत्रों का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	प्रशिक्षण/गतिविधि का विवरण	सम्मिलित सम्भाग/जिले	प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागियों की संख्या
1	18.06.2018 से 17.07.2018 30 दिवसीय प्रारम्भिक स्तरीय योग प्रशिक्षण(शिक्षक स्तर)	ग्वालियर सम्भाग- ग्वालियर, भिण्ड, मुरैना, गुना, दतिया, श्योपुर, अशोकनगर, शिवपुरी	31
2	19.07.2018 से 18.08.2018 30 दिवसीय प्रारम्भिक स्तरीय योग प्रशिक्षण(शिक्षक स्तर)	जबलपुर सम्भाग- जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, डिण्डोरी, सिवनी, छिंदवाड़ा, मण्डला, बालाघाट	28
3	20.08.2018 से 19.09.2018 30 दिवसीय प्रारम्भिक स्तरीय योग प्रशिक्षण(शिक्षक स्तर)	सागर सम्भाग- सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, दमोह, पन्ना	29
4	24.09.2018 से 23.10.2018 30 दिवसीय प्रारम्भिक स्तरीय योग प्रशिक्षण(शिक्षक स्तर)	इन्दौर सम्भाग- इन्दौर, धार, अलीराजपुर, झाबुआ, खण्डवा, बुरहानपुर, खरगौन, बड़वानी	20
5	25.10.2018 से 23.11.2018 30 दिवसीय प्रारम्भिक स्तरीय योग प्रशिक्षण(शिक्षक स्तर)	उज्जैन सम्भाग- उज्जैन, शाजापुर, देवास,	05

	योग प्रशिक्षण(शिक्षक स्तर)	नीमच, मंदसौर, रतलाम,आगर मालवा	
6	17.12.2018 से 15.01.2019 30 दिवसीय प्रारम्भिक स्तरीय योग प्रशिक्षण(शिक्षक स्तर)	रीवा सम्भाग—रीवा, सीधी, सिंगरौली, सतना शहडोल सम्भाग —शहडोल, अनूपपुर, उमरिया भोपाल सम्भाग — भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा, राजगढ़ नर्मदापुरम सम्भाग — होशंगाबाद, हरदा, बैतूल	39

3.3.5 राष्ट्रीय कैडेट कोर

3.3.5.1 अखिल भारतीय स्तर के शिविर

क्रमांक	शिविर का नाम	भाग लेने वाले कैडेट्स की संख्या
1.	एडवांस लीडरशिप शिविर	102
2.	रॉक क्लाइविंग शिविर	92
3.	नौ सैनिक शिविर	35
4.	राष्ट्रीय एकात्मकता शिविर (एन.आई.सी.) (अन्य संचालनालय द्वारा आयोजित)	190
5.	राष्ट्रीय एकात्मकता शिविर (एन.आई.सी.) (म0प्र0 संचालनालय द्वारा आयोजित)	833
6.	वायु सैनिक शिविर	24
7.	थल सेना शिविर	65
8.	एन.आई.सी. पोर्ट ब्लेयर	05
9.	एनसीसी सेलिंग रेगाटा	06
10.	ए.टी.सी. नेवल	08
11.	स्पेशल एन.आई.सी.	20
	योग	1380

3.3.5.2 यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम (अन्य देशों में गये कैडेट्स का विवरण)

क्र.	कैडेट का नाम	युनिट का नाम	देश का नाम	अवधि
1.	कैडेट पीयूष भंडाना	2 म0प्र0 एयर स्क्वाड्रन एनसीसी भोपाल	रूस	13.5.2018 से 26.5.2018
2.	अन्डर ऑफिसर अदिति किचलू	4 म0प्र0 बटालियन एनसीसी भोपाल	रूस	18.8.2018 से 01.9.2018
3.	कैडेट यशराज सिंह यादव	2 म0प्र0 नेवल युनिट एनसीसी जबलपुर	मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया	10.09.2018 से 18.10.2018

4.	कैडेट कैप्टन मनीष कुमार चौहान	2 म0प्र0 नेवल युनिट एनसीसी जबलपुर	मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया	10.09.2018 से 18.10.2018
5.	कैडेट अभिनव यादव	1 म0प्र0 सीटीआर एनसीसी भोपाल	सिंगापुर	12.11.2018 से 21.11.2018
6.	कैडेट रजत शेखर दुबे	2 म0प्र0 नेवल युनिट एनसीसी जबलपुर	वियतनाम	28.11.2018 से 06.12.2018
7.	कैडेट तमन्ना सिंह ठाकुर	2 म0प्र0 नेवल युनिट एनसीसी जबलपुर	वियतनाम	28.11.2018 से 06.12.2018
8.	कैडेट कीर्ति मालवीया	14 म.प्र. बटालियन एनसीसी विदिशा	सिंगापुर	12.11.2018 से 21.11.2018
9.	कैडेट गौरव सोनी	8 म.प्र. बटालियन एनसीसी ग्वालियर	भूटान	12.12.2018 से 18.12.2018
10.	कैडेट आयुषि जैन	7 म.प्र. गर्ल्स बटालियन एनसीसी सागर	भूटान	12.12.2018 से 18.12.2018

3.3.5.3 ट्रेकिंग

क्रमांक	ट्रेक का नाम	भाग लेने वाले कैडेट्स की संख्या
1.	उत्तर प्रदेश/उत्तराखंड ट्रेक	75
2.	बिहार ट्रेक	120
3.	शिवाजी ट्रेक (महाराष्ट्र)	97
4.	दार्जिलिंग-सिक्किम (वेस्ट बंगाल)	120
5.	केरल	120
6.	हिमाचल-पंजाब ट्रेक	120
7.	अजमेर ट्रेक	120
8.	अमरकंटक ट्रेक	485
9.	आन्ध्रप्रदेश ट्रेक	120
10.	बेलगाम ट्रेक	65
11.	गुजरात ट्रेक	97
12.	उड़ीसा ट्रेक	65
	योग	1604

3.3.5.4 एनसीसी दिवस का आयोजन

एनसीसी स्थापना की 70वां वर्षगांठ पर दिनांक 25 नवंबर 2018 को एनसीसी दिवस के अवसर पर समारोह का आयोजन "शौर्य स्मारक" में महामहिम राज्यपाल महोदय की अध्यक्षता में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

3.3.5.5 एन.सी.सी. प्रमाण पत्र परीक्षा

वर्ष 2018 में एन.सी.सी. प्रमाण पत्र परीक्षाओं में निम्नानुसार कैडेटों ने सफलता अर्जित की।

प्रमाण पत्र	परीक्षा में सम्मिलित कैडेटों की संख्या	परीक्षा में उत्तीर्ण कैडेटों की संख्या	उत्तीर्ण प्रतिशत
ए प्रमाण पत्र	20703	19859	95
बी प्रमाण पत्र	8684	7822	90
सी प्रमाण पत्र	5202	4555	87
योग	34589	32236	

3.3.6 राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा NCERT नई दिल्ली द्वारा आयोजित की जाती है। यह दो स्तरीय परीक्षा है। प्रथम चयन परीक्षा राज्य स्तर पर राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा आयोजित की जाती है। द्वितीय स्तर की परीक्षा NCERT नई दिल्ली द्वारा मई माह के दूसरे सप्ताह में आयोजित की जाती है। परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों को नियमानुसार NCERT द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। वर्ष 2018-2019 परीक्षा दिनांक 04.11.2018 को जिला स्तरीय परीक्षा केन्द्रों पर राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा आयोजित की गई है, परीक्षा में कुल 95517 विद्यार्थी दर्ज हुए हैं। मध्यप्रदेश राज्य के लिए प्रथम स्तर पर वर्ष 2018-19 के लिए कुल 265 विद्यार्थियों का कोटा निर्धारित है। प्रथम स्तर का परीक्षा परिणाम प्रक्रियाधीन है।

3.3.7 राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति

राष्ट्रीय मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति परीक्षा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए वर्ष 2008-2009 से संचालित की जा रही है। वर्ष 2018-2019 की परीक्षा दिनांक 04.11.2017 को सम्पन्न हो चुकी है। मध्यप्रदेश राज्य के लिए कुल 6446 विद्यार्थियों का कोटा निर्धारित है। मध्यप्रदेश राज्य में स्थित शासकीय, शासकीय अनुदान प्राप्त अथवा स्थानीय निकायों के विद्यालयों में कक्षा 8वीं में अध्ययनरत ऐसे नियमित विद्यार्थी इस परीक्षा में सम्मिलित होने के पात्र हैं, जिन्होंने कक्षा 7 वीं की परीक्षा कम से कम C ग्रेड से पास की हो एवं उनके अभिभावकों की सकल वार्षिक आय 1.50 लाख या उससे कम हो। इस परीक्षा में मध्यप्रदेश राज्य के नियमानुसार, जिलेवार आरक्षण का प्रावधान है। चयनित विद्यार्थियों को मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा कक्षा 9 से 12वीं तक रुपये 1000/- प्रतिमाह की दर से भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखा नई दिल्ली के माध्यम से प्रदान की जाती है। नियमित छात्रवृत्ति हेतु कक्षा 9 एवं 11 में 55% अंक एवं कक्षा 10 में 60% अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। वर्ष 2018-2019 में राष्ट्रीय मीन्स कम मेरिट परीक्षा में 162821 विद्यार्थियों के दर्ज हुए।

3.3.8 राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित व एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली के दिशा निर्देशन में राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के अंतर्गत जनसंख्या शिक्षा एवं किशोरावस्था शिक्षा से सम्बन्धित अकादमिक कार्यों का संचालन एवं निर्देशन मध्यप्रदेश राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एस.सी.

ई.आर.टी) भोपाल द्वारा वर्ष 1980 से लगातार करता रहा है। संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्यनरत किशोर/किशोरियों हेतु विभिन्न पाठ्य सहगामी गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य जन-जन में जागरुकता लाना है।

राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना वार्षिक कार्ययोजना अनुसार मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों, शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालयों में (एस.सी.ई.आर.टी) राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल के मार्गदर्शन में विभिन्न कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं।

1. 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर 47 जिलों के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों में सभी डी.एल.एड प्रशिक्षणार्थियों के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। निबंध लेखन हेतु जनसंख्या शिक्षा से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर निबंध लेखन किया गया। जिला स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतियोगियों को पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है।

2. 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस का आयोजन

11 जुलाई विश्व जनसंख्या दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन सभी शासकीय शालाओं में कक्षा 9 से कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए किया जाता है। प्रतियोगिता का आयोजन शाला स्तर जिला स्तर, राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है।

शाला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त पोस्टर जिले के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों के जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठ में भेजे जाते हैं। जिला स्तर पर शाला से प्राप्त पोस्टर में से निर्णायक मंडल द्वारा तीन पोस्टर का चयन किया गया एवं उन्हें पुरस्कार स्वरूप राशि प्रदान की जाती है। राज्य स्तर पर जिले से प्राप्त 10 पोस्टर का चयन कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त पोस्टर को एन.सी.ई.आर.टी नयी दिल्ली भेजा जाता है।

3. एडवोकेसी प्रोग्राम एडवोकेसी कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों के व्याख्यान का आयोजन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में डी.एल.एड.प्रशिक्षणार्थियों के लिए जनसंख्या शिक्षा एवं किशोरावस्था शिक्षा से संबंधित विषयों पर किया जाता है।

4. शोध कार्य -

वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत हर वर्ष जनसंख्या शिक्षा एवं किशोरावस्था शिक्षा से संबंधित विषयों पर एक शोध कार्य किया जाता है।

5. रोल प्ले प्रतियोगिता

रोल प्ले प्रतियोगिता के माध्यम से किशोरावस्था के विद्यार्थियों में जनसंख्या संबंधी मुद्दों की समझ व जागरुकता लाना है, जिससे उनके जीवन में आने वाली चुनौतियों का वे सफलतापूर्वक सामना कर सकें, क्योंकि यह एक ऐसी अभिनय प्रक्रिया है, जो वास्तविक जीवन की स्थितियों की व्याख्या करती है। इस

प्रतियोगिता का आयोजन प्रदेश के समस्त जिलों के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थाओं में किया जाता है एवं प्रथम स्थान प्राप्त प्रतियोगियों के लिए राज्य स्तरीय रोल प्ले प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त जिले को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में सहभागिता हेतु नई-दिल्ली भेजा जाता है।

6. लोकनृत्य प्रतियोगिता

लोकनृत्य प्रतियोगिता का आयोजन आदिवासी बाहुल्य जिलों में किया जाता है। लोक नृत्य (फोक डान्स) के माध्यम से जनसंख्या शिक्षा और किशोरवयीन प्रजनन एवं लैंगिक स्वास्थ्य के विभिन्न मुद्दों को प्रभावी ढंग से दर्शाया जाता है। इस प्रतियोगिता का आयोजन प्रदेश के समस्त जिलों के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थाओं में किया जाता है एवं प्रथम स्थान प्राप्त प्रतियोगियों के लिए राज्य स्तरीय रोल प्ले प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त जिले को राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में सहभागिता हेतु नई-दिल्ली भेजा जाता है।

7. न्यूज लैटर का निर्माण

प्रतिवर्ष राष्ट्रीय जनसँख्या शिक्षा परियोजना की कार्ययोजना के अनुक्रम में जनसँख्या शिक्षा की आयोजित गतिविधियों पर आधारित वार्षिक न्यूज लैटर का निर्माण किया जाता है।

8. 01 दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस का आयोजन

01 दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस पर राष्ट्रीय जनसँख्या शिक्षा परियोजना की कार्ययोजना के अनुक्रम में जनसँख्या रैली एवं सृजनात्मक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों, हायर सेकेंडरी एवं हाई स्कूल में किया जाता है।

9. मॉनिटरिंग

विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन के समय राष्ट्रीय जनसँख्या शिक्षा परियोजना की कार्ययोजना के अनुक्रम में प्रतियोगिताओं की मॉनिटरिंग मध्यप्रदेश राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, भोपाल द्वारा कि जाती है।

3.3.9 वर्चुअल क्लास रूम

वर्चुअल क्लास रूम योजनान्तर्गत वर्ष 2013-14 में प्रदेश के 313 विकासखण्डों में एक-एक शासकीय उत्कृष्ट/आदर्श उमाविद्यालय का चयन किया गया, जिसमें स्कूल शिक्षा विभाग के विकासखण्ड स्तरीय 224 उत्कृष्ट विद्यालयों का चयन किया गया। इन विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक के विद्यार्थियों को डिजिटल स्टडी मेटिरियल के माध्यम से अध्यापन कार्य करवाया जा रहा है।

प्रत्येक चयनित विद्यालय में एक कक्ष को लर्निंग एंड के रूप में विकसित किया गया है जिसमें आवश्यक उपकरण यथा कम्प्यूटर, टी.वी., प्रोजेक्टर, कैमरा, इत्यादि स्थापित किये गए हैं। उक्त योजनान्तर्गत इस वर्ष राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के अर्न्तगत प्रशिक्षित स्रोत शिक्षकों द्वारा शिक्षण कार्य संचालित किया जा रहा है।

वर्चुअल क्लास के माध्यम से किया जा रहा अध्यापन कार्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में सहायक है एवं शिक्षकों की कमी को दूर करने में भी सहायक है। दूरस्थ ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों के लिये यह कक्षाएं अत्यन्त उपयोगी एवं आवश्यक हैं। इससे सभी विद्यार्थियों को उत्कृष्ट अध्यापन का लाभ, प्रदर्शन व प्रयोगों के आधार पर शिक्षा, सीखने की प्रक्रिया रुचिकर एवं प्रभावी है।

वर्चुअल क्लास के माध्यम से इस वर्ष से प्रदेश के समस्त जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालयों के कक्षा 11 एवं 12 के विद्यार्थियों को कक्षा के पाठ्यक्रम के साथ ही प्री-इंजीनियरिंग और प्री-मेडीकल की प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु निःशुल्क कोचिंग दी जा रही है। उक्त कोचिंग का प्रसारण देश के प्रख्यात एलन कैरियर इंस्टीट्यूट द्वारा शासकीय उमावि. मल्हार आश्रम इन्दौर से किया जा रहा है। जिससे देश विदेश के उच्च स्तरीय संस्थानों में प्रदेश हेतु ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों की तैयारी हो सके।

3.3.10 वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत विशिष्ट आयोजन/प्रतियोगिताएं

वर्ष 2018-19 में स्कूल शिक्षा विभाग लोक शिक्षण संचालनालय के माध्यम से विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा को विकसित करने के उद्देश्य से वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के अंतर्गत कालिदास समारोह, मोगली बाल उत्सव, राज्य स्तरीय बालरंग, बालसभा एवं योग खेल प्रशिक्षण, इंटर स्कूल बैण्ड प्रतियोगिता, सामूहिक सूर्यनमस्कार, विश्व योग दिवस, पाठ्य सहगामी गतिविधियां, प्रशिक्षण, देशभक्ति कविता पाठ, साहित्यिक, सांस्कृतिक, पर्यावरण तथा शैक्षिक प्रतियोगिताएं आदि गतिविधियां विभिन्न स्तरों पर आयोजित की जाती हैं। वर्ष 2018-19 हेतु बजट में रु. 8 करोड़ का प्रावधान होकर रु. 7.20 करोड़ का आवंटन प्राप्त हुआ है।

(i) कालिदास समारोह – कालिदास अकादमी (संस्कृति विभाग) उज्जैन द्वारा देव प्रबोधिनी एकादशी के अवसर पर प्रतिवर्ष उज्जैन में कालिदास समारोह का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विगत वर्षों से महाकवि कालिदास के व्यक्तित्व और कृतित्व पर आधारित चित्रांकन, श्लोक गायन, नृत्य नाटिका आदि प्रतियोगिताएं शाला स्तर, विकासखण्ड स्तर, जिला स्तर, संभाग स्तर पर आयोजित की जाती है तथा प्रत्येक जिले से 04 चयनित छात्रों की राज्य स्तरीय आयोजन में सहभागिता की जाती है। शैक्षणिक 2018-19 में कालिदास समारोह दिनांक 27 से 29 दिसम्बर 2018 को उज्जैन में आयोजित किया गया है।

(ii) मोगली बाल उत्सव – विद्यालयीन छात्र-छात्राओं में पर्यावरण, वन संरक्षण तथा वन्य प्राणियों के प्रति संवेतना जागृत करने के उद्देश्य से वर्ष 2004 से प्रति वर्ष राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव का आयोजन आयोजित किया जाता है।

इस आयोजन में सहभागिता हेतु शाला स्तर, विकासखण्ड स्तर, जिला स्तर पर पर्यावरण संबंधी विषयों पर त्रि-स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, जिसमें संपूर्ण प्रदेश के लगभग 20 से 25 लाख छात्र-छात्राएं प्रतिवर्ष सहभागिता करते हैं। जिला स्तर पर चयनित 02 छात्र एवं 02 छात्राएं कुल 204 चयनित प्रतिभागी तथा 51 शिक्षक एवं 51 शिक्षिकाएं राज्य स्तरीय मोगली महोत्सव में सहभागिता की गयी।

वर्ष 2017 में उक्त आयोजन प्रदेश के 4 अभ्यारण्यों में 2 चरणों में दिनांक 17-18 नवम्बर 2017 को माधव राष्ट्रीय उद्यान शिवपुरी एवं कान्हा राष्ट्रीय उद्यान मण्डला, राष्ट्रीय उद्यान उमरिया एवं मढई जिला होशंगाबाद में आयोजित किया गया।

वर्ष 2018-19 के शैक्षणिक सत्र में मोगली बाल उत्सव दो चरणों में माह अप्रैल 2019 में आयोजित किया जावेगा । इस वर्ष से अब यह आयोजन प्रदेश के 6 अभ्यारण्यों, कान्हा (मण्डला), बांधवगढ़ (उमरिया), पेंच (सिवनी), मढ़ई (होशंगाबाद), पन्ना एवं माधव राष्ट्रीय उद्यान शिवपुरी में किए जाने का निर्णय लिया गया है। इस वर्ष इस आयोजन में प्रत्येक जिले से 8-8 विद्यार्थी प्रतिभागिता करेंगे।

(iii) राज्य स्तरीय बालरंग – बालरंग उत्सव में सहभागिता हेतु शाला, विकासखण्ड, जिला एवं संभाग स्तर पर साहित्यिक, सांस्कृतिक, योग, मदरसा, विज्ञान, संस्कृत, एवं निःशक्त बच्चों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है। जिला/संभाग स्तर से राज्य स्तर हेतु छात्र-छात्राओं का चयन किया जाकर राज्य स्तरीय बालरंग प्रतियोगिता का आयोजन 19 दिसम्बर 2018 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल में आयोजित किया गया जिसमें प्रदेश के लगभग 900 छात्र-छात्राओं द्वारा सहभागिता की गई।

(iv) राष्ट्रीय बालरंग – छात्र-छात्राओं को देश की विभिन्न लोक संस्कृतियों से परिचय एवं लोक विधा को समझने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 2005 से निरन्तर राष्ट्रीय बालरंग कार्यक्रम का आयोजन भोपाल में किया जा रहा है। लोक संस्कृति विषयों से संबंधित शाला, विकासखण्ड, जिला स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाकर राज्य स्तरीय लोकनृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त दल को राष्ट्रीय लोकनृत्य प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु चयन किया जाता है। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय एवं स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय बालरंग का आयोजन 20-21 दिसम्बर, 2018 को इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय परिसर में आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय बालरंग की लोकनृत्य प्रतियोगिता में देश के 10 राज्यों, 2 केन्द्र शासित प्रदेशों एवं 8 पूर्वोत्तर राज्यों के कुल 368 प्रतिभागियों द्वारा सहभागिता की गई। बिहार राज्य को प्रथम, पुरस्कार, हिमाचल प्रदेश को द्वितीय पुरस्कार, त्रिपुरा को तृतीय एवं सिक्किम एवं झारखण्ड को सात्वना पुरस्कार राष्ट्रीय मानव संग्रहालय द्वारा गठित ज्युरी द्वारा चयन किया जाकर पुरस्कृत किया गया।

(v) साप्ताहिक बालसभा के अन्तर्गत पाठ्य सहगामी एवं योग/खेल प्रशिक्षण – शिक्षण सत्र 2018-19 में पाठ्य सहगामी गतिविधियां, शैक्षणिक केलेण्डर, बालसभा एवं योग का राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय एवं विद्यालय स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर समस्त शासकीय हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल के शिक्षकों को बालसभा एवं योग का प्रशिक्षण दिया गया है। प्रतिदिन विद्यालय में एक कालखण्ड योग/खेल हेतु निर्धारित किया गया है तथा प्रत्येक शनिवार को विद्यालय में बालसभा का कार्यक्रम सुनिश्चित किया गया। योजना गत 05 वर्ष से संचालित है।

(vi) स्कूल बैण्ड प्रतियोगिता – वर्ष 2017 से भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार जिला स्तरीय, संभाग स्तरीय, राज्य स्तरीय एवं जौनल स्तरीय अन्तर स्कूल बैण्ड प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 5.11.18 को जिला मुख्यालय पर, संभागीय प्रतियोगिता संभागीय जिला मुख्यालय पर दि. 14.11.18 को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 19.11.18 जौनल स्तरीय दिनांक 5.12.18 को गाजियाबाद उत्तरप्रदेश में आयोजित की गई है। इसमें मध्यप्रदेश के 1 बालक वर्ग एवं 1 बालिका वर्ग के इंटर स्कूल बैण्ड प्रतिभागियों द्वारा सहभागिता की गई।



3.3.11 राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण प्रतिष्ठान

राज्य शासन स्कूल शिक्षा विभाग, लोक शिक्षण संचालनालय के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण प्रतिष्ठान स्थापित होकर शिक्षकों द्वारा प्रति वर्ष देय अंशदान की राशि एवं राज्य शासन की अनुदान निधि से संचालित है। शिक्षकों के कल्याणार्थ विभिन्न कार्यक्रम प्रतिष्ठान के माध्यम से क्रियान्वित किये जाते हैं, इसके माध्यम से प्रदेश में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को 05 सितम्बर, शिक्षक दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय शिक्षक पुरस्कार, राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है एवं राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार हेतु अनुशंसित शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण प्रतिष्ठान नई दिल्ली द्वारा पुरस्कृत किया जाता है।

वर्ष 2018 में “शिक्षक दिवस” के अवसर पर प्रदेश के प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया एवं राज्य स्तरीय शिक्षक दिवस के आयोजन में प्रदेश के प्रत्येक जिले के एक उत्कृष्ट शिक्षक को रुपये 25000/- की नकद धनराशि शाला श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर “राज्यस्तरीय शिक्षक सम्मान” महामहिम राज्यपाल महोदया के कर-कमलों द्वारा प्रदान कराया गया।

भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वर्ष 2017-18 हेतु राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार की प्रक्रिया को संशोधित कर शिक्षकों के ऑनलाईन प्रस्ताव चाहे गये थे। प्रदेश से राज्य स्तरीय समिति की 6 शिक्षकों की अनुशंसाएं चाही गईं। जिसमें मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रदेश की एक शिक्षिका डॉ. श्रीमती ऊषा खरे, प्राचार्य, शासकीय कन्या उमावि. जहांगीराबाद भोपाल का चयन राष्ट्रपति पुरस्कार हेतु किया जाकर महामहिम राष्ट्रपति महोदय के कर-कमलों द्वारा रुपये 50,000/- की सम्मान निधि, रजत पदक एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है।

दिनांक 5 सितम्बर 2018 को प्रदेश के समस्त जिलों में जिला स्तर पर शिक्षक दिवस का आयोजन एवं राज्य स्तर पर राज्य स्तरीय शिक्षक दिवस का आयोजन सम्पन्न किया गया। समस्त शिक्षकों के उत्साहवर्धन हेतु राज्य स्तरीय आयोजन में महामहिम राज्यपाल महोदया आनंदी बेन पटेल की गरिमामयी उपस्थिति रही। निम्नानुसार शिक्षकों को जिलेवार पुरस्कृत किया गया।

स. क्र.	जिला	शिक्षक का नाम	पदनाम	विद्यालय का नाम
1	अलीराजपुर	श्री छित्तू बामनिया	स.शि.	शा.क.मा.शाला छकताला
2	अनूपपुर	सुश्री अंजली सिंह	व.अ.	शा.उ.मा.वि.भाद
3	बालाघाट	सुश्री अंजली अशाटकर	स.शि.	शा.प्रा.शाला पेंडरई
4	भिण्ड	श्री सत्यनारायण चतुर्वेदी	अध्यापक	शा.मा.शाला काटनजीन क्र.1
5	भोपाल	श्रीमती वंदना मिश्रा	प्राचार्य	शा.हमीदिया क.उ.मा.वि.क्र.2
6	छिंदवाडा	श्रीमती अभिलाषा भांगर	व.अ.	शा.उ.मा.वि.खजारी
7	दमोह	श्री रामस्वरूप चौरसिया	प्र.अ.	शा.मा.शाला नवघाट हटा
8	दतिया	श्री भानुप्रताप गोस्वामी	शिक्षक	शा.मा.शाला उरदना
9	देवास	श्री सुभाष चौधरी	स.अ.	शा.मा.शाला मोरखेडी
10	धार	श्री इंद्र सिंह राठौर	स.शि.	शा.मा.शाला सुलावट
11	गुना	श्री अनिल भार्गव	शिक्षक	शा.क.मा.शाला बाजार शाला
12	ग्वालियर	डॉ. दीप्ति गौर	अध्यापक	शा.उत्कृष्ट उ.मा.वि.मुरार
13	हरदा	श्री दुर्गेशनंदन व्यास	व.अ.	शा.बा.उ.मा.वि.टिम्बरनी
14	इंदौर	श्रीमती विजया शर्मा	प्राचार्य	शा.उत्कृष्ट उ.मा.वि. बाल विनय मंदिर इंदौर
15	जबलपुर	श्रीमती सुधा उपाध्याय	स.अ.	शा.प्रा.शाला लखराम
16	झाबुआ	श्री लोकेन्द्र सिंह चौहान	व्याख्याता	शा.उत्कृष्ट उ.मा.वि.झाबुआ
17	कटनी	श्री मंगलदीन पटेल	अध्यापक	शा.मा.शाला तिलमन
18	खरगोन	श्री निरंजन स्वरूप गुप्ता	शिक्षक	शा.उ.मा.वि.लोनारा
19	मंदसौर	डॉ. सुनीता गोधा	व.अ.	शा.उ.मा.वि. पिपल्या मंडी
20	मुरैना	श्री व्योमेश शर्मा	व्याख्याता	शा.उत्कृष्ट उ.मा.वि. मुरैना
21	नीमच	श्री धीसालाल धनगर	अध्यापक	शा.उ.मा.वि.जनकपुर मोरवन
22	पन्ना	श्री चन्द्रभान सेन	शिक्षक	शा.मा.शाला पुराना
23	रायसेन	श्री राकेश कुमार राजोरिया	व.अ.	शा.उ.मा.वि.खरगोने
24	राजगढ़	श्री राजेश भारतीय	प्राचार्य	शा.हाईस्कूल बडोदिया तालाब
25	रतलाम	डॉ. ललित मेहता	अध्यापक	शा.उत्कृष्ट उ.मा.वि.
26	सतना	डॉ. मणिराज प्रसाद त्रिपाठी	प्राचार्य	शा.हाईस्कूल कितहा
27	सिवनी	मो.साबिर खान	स.शि.	शा.नेताजी सुभाष चन्द्र बोस हाईस्कूल
28	शहडोल	श्रीमती साधना जैन	व्याख्याता	शा.एम.एल.बी. कन्या उ.मा.वि. शहडोल
29	श्यापुर	श्री शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव	अध्यापक	शा.हाईस्कूल डोर्ड
30	सीधी	सुश्री कृष्णा मिश्रा	व.अ.	शा.उ.मा.वि.उपानी

31	सिंगरौली	श्री जितेन्द्र कुमार थापर	व्याख्याता	शा.उत्कृष्ट उ.मावि.बैठान
32	टीकमगढ़	श्री संजय कुमार जैन	स.अ.	शा.प्रा.शाला झुण्डा
33	उज्जैन	डॉ. चन्द्रा नाहटे	प्राचार्य	शा.उ.मा.वि.नवगवाँ
34	उमरिया	विजय कुमार चतुर्वेदी	शिक्षक	शा.मा.शाला चंदनियों
35	विदिशा	कैलाश प्रसाद आर्या	स.शि.	शा.प्रा.शाला पिपरोठा
36	आगर मालवा	श्री जयनारायण चौधरी	स.शि.	शा.प्रा.वि.नजरखेडा
37	अशोकनगर	श्री लक्ष्मण सिंह अहिरवार	स.अ.	शा.प्रा.वि.चकबडेरा
38	बैतूल	चन्द्ररेखा बारस्कर	स.शि.	शा.मा.शाला नवापुर
39	डिण्डोरी	श्री लल्ला सिंह गौतम	उ.श्रे.शि.	शा.मा.वि.समनपुर
40	होशंगाबाद	डॉ.रविन्द्र कुमार अभ्यंकर	प्राचार्य	शा.उ.मा.वि.सुखतवा
41	मण्डला	श्री अमीरान मरावी	प्र.अ.	शा.क.मा.शाला डिठौरी नयनपुर
42	सागर	श्री अशोक राजौरिया	अध्यापक	शासकीय माध्यमिक विद्यालय मढ, पिपरिया देवरी, जिला सागर
43	सीहोर	सुश्री करुणा भार्गव	अध्यापक	शा.उ.मा.वि.कोठरी
44	शाजापुर	श्री रजनीश कुमार त्रिवेदी	प्राचार्य	शा.हाईस्कूल रानी बडोद

राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु चयनित उक्त शिक्षकों को शाल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र तथा सम्मान निधि के रूप में रु. 25000/- की राशि प्रदाय की गई।

शिक्षक कल्याण प्रतिष्ठान द्वारा शिक्षकों एवं उनके आश्रित सदस्यों को गंभीर बीमारी जैसे कैंसर रोग, हृदय रोग, किडनी रोग एवं दुर्घटना के अंग क्षति होने पर शिक्षकों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस वर्ष 25 शिक्षकों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

प्रदेश में 10 शिक्षक सदन भोपाल, जबलपुर में भेड़ाघाट, होशंगाबाद में इटारसी, टीकमगढ़ में ओरछा, ग्वालियर, इन्दौर, सीधी, रतलाम, रीवा, उज्जैन, सागर में संचालित हैं जिनके सुदृढीकरण एवं प्रत्येक संभागीय मुख्यालय पर एक शिक्षक सदन के निर्माण की योजना है। इन शिक्षक सदनों का संचालन राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण प्रतिष्ठान द्वारा किया जाता है।

3.3.12 सामूहिक सूर्य नमस्कार

12 जनवरी स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस "युवा दिवस" के अवसर पर प्रदेश की समस्त शैक्षणिक संस्थाओं में "एक ही समय" 'एक संकेत पर' सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन दिनांक 12 जनवरी को प्रतिवर्ष किया जाता है।

विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 12 जनवरी 2019 को सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश की समस्त शिक्षण संस्थाओं में किया गया। राज्य स्तरीय आयोजन शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उमावि. शिवाजी नगर भोपाल में आयोजित किया गया, जिसमें माननीय मंत्री जी स्कूल शिक्षा, डॉ. प्रभुराम चौधरी एवं विधि विधायी तथा जनसंपर्क मंत्री माननीय श्री पी.सी.शर्मा जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

3.3.13 विश्व योग दिवस

भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुक्रम में अन्तर्राष्ट्रीय विश्व योग दिवस 3 वर्षों से 21 जून को मनाया जाता है, यह कार्यक्रम संस्था स्तर पर, जिला स्तर पर आयोजित होते हैं 21 जून 2018 को प्रदेश में प्रत्येक शिक्षण संस्था में प्रत्येक जिला/ संभाग स्तर पर विश्व योग दिवस का आयोजन किया गया। राज्य स्तरीय आयोजन माननीय मुख्यमंत्री जी की गरिमामयी उपस्थिति में लाल परेड मैदान भोपाल में आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न योग संस्थाओं तथा गणमान्य नागरिकों द्वारा सहभागिता की गई।





शिक्षा का अधिकार

समग्र शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

भाग – चार

4 सामान्य प्रशासनिक विषय

भाग – चार

4 सामान्य प्रशासनिक विषय

4.1 यौन उत्पीड़न शिकायत एवं निवारण समिति

महिलाओं के हितों की रक्षा एवं कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न रोकने हेतु लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिशोध एवं प्रतितोषण) अधिनियम 2013 नियम 2013 अंतर्गत संचालनालय सहित सभी संयुक्त संचालक/ जिला शिक्षा अधिकारी एवं शासकीय उ.मा.वि. कार्यालयों में आंतरिक परिवाद समिति का गठन किया गया है। यह समितियाँ 3 वर्ष के लिए गठित की जाती हैं।

4.2 मध्यप्रदेश राज्य महिला नीति

महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए मध्यप्रदेश महिला नीति का गठन किया गया है। वर्तमान में मध्यप्रदेश राज्य महिला नीति के उद्देश्य निम्नानुसार हैं :-

- विकास की मुख्य धारा में महिलाओं की गरिमापूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करना ।
- जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं हितों का संरक्षण करना है।
- महिलाओं की समग्र क्षमताओं का विकास करना ।
- महिलाओं से संबंधित नीतियों, विधियों, कार्यक्रमों एवं योजनाओं का परिणाममूलक क्रियान्वयन करना।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राज्य महिला नीति को लागू करने के लिए कार्ययोजना बनाई गई है। इसके अंतर्गत बालिकाओं को शिक्षा के माध्यम से विकास की मुख्य धारा में जोड़ना, शैक्षणिक संस्थाओं में मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना, बालिका ड्रॉप आउट रेट कम करना, लिंग भेद समाप्त करना, भोपाल जिले में महिलाओं/ बालिकाओं के लिए सुरक्षित व हिंसा मुक्त वातावरण निर्माण के लिए विद्यालय के माध्यम से सेफसिटी कार्यक्रम की जागरूकता के लिए बालिकाओं को स्वरक्षा हेतु मार्शल आर्ट/जूडो/कराटे का प्रशिक्षण, विद्यालयों में बालिकाओं की समस्या के निराकरण हेतु एक महिला परामर्शदाता की व्यवस्था, यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु विद्यालयों में प्रकाशन होने वाली वार्षिक पत्रिका में अनुच्छेद से संबंधित जानकारी प्रकाशित कराने, जागरूकता बढ़ाने हेतु विद्यालयों में समय-समय पर चर्चा/परिचर्चा, भाषण नाटक आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन तथा एन.सी. सी./एन.एस.एस. के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित कराने के प्रयास किये जा रहे हैं।

विभाग द्वारा बालिकाओं को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक, निःशुल्क सायकिल वितरण, निःशुल्क गणवेश एवं विभिन्न छात्रवृत्तियों के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है। समग्र शिक्षा अभियान के तहत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय एवं बालिका छात्रावास संचालित हैं। व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से बालिकाओं को स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

राज्य के समस्त विद्यालयों में पूर्व में गठित आंतरिक परिवाद समिति का तीन वर्षीय कार्यकाल समाप्त होने के पश्चात् नई समिति के गठन के निर्देश संचालनालय स्तर से दिये गये हैं। संचालनालय में नई आंतरिक परिवाद समिति का गठन किया जा चुका है एवं शिकायत पेटी भी लगाई गई है।

संचालनालय स्तर पर समस्त महिला अधिकारियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने एवं महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण,प्रतिषेध,प्रतिरोध) अधिनियम, 2013 के विभिन्न प्रावधानों से परिचित करने हेतु दिनांक 29.09.2018 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

4.3 न्यायालयीन प्रकरण

माननीय उच्च-न्यायालय में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरणों की जॉनकारी 31.12.2018 की स्थिति निम्नानुसार है:-

रिट याचिका

मान.उच्च न्यायालय	कुल	प्रत्यावर्तन प्रस्तुत	प्रत्यावर्तन शेष
जबलपुर	2159	1705	454
ग्वालियर	781	642	139
इन्दौर	763	632	131
कुल	3703	2979	724

4.4 अवमानना प्रकरण

	कुल	प्रत्यावर्तन प्रस्तुत	प्रत्यावर्तन शेष
जबलपुर	534	437	97
ग्वालियर	211	164	47
इन्दौर	65	29	36
कुल	810	630	180

आयुक्त, लोक शिक्षण के अधीन, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण विधि प्रकोष्ठ, कार्यालय जबलपुर, ग्वालियर तथा इन्दौर में स्थापित है। संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण, विधि प्रकोष्ठ विभागीय प्रकरणों के निराकरण हेतु महाधिवक्ता, कार्यालय जबलपुर अतिरिक्त महाधिवक्ता कार्यालय ग्वालियर, इन्दौर से सतत सम्पर्क में रह कर विभागीय प्रकरणों में समन्वय स्थापित करते है। मा. न्यायालय द्वारा पारित 2303 निर्णयों का पालन किया गया और 94 अवमानना प्रकरणों को समाप्त कराया गया है।

4.5 विभागीय जांच

वर्ष 2018-19 में विभागीय जांच की जानकारी निम्नानुसार है:-

कुल विभागीय जांच प्रकरण	शासन स्तर से निराकृत प्रकरण	संचालनालय स्तर से निराकृत प्रकरण	कुल निराकृत प्रकरण
31	00	5	5

भाग – पांच

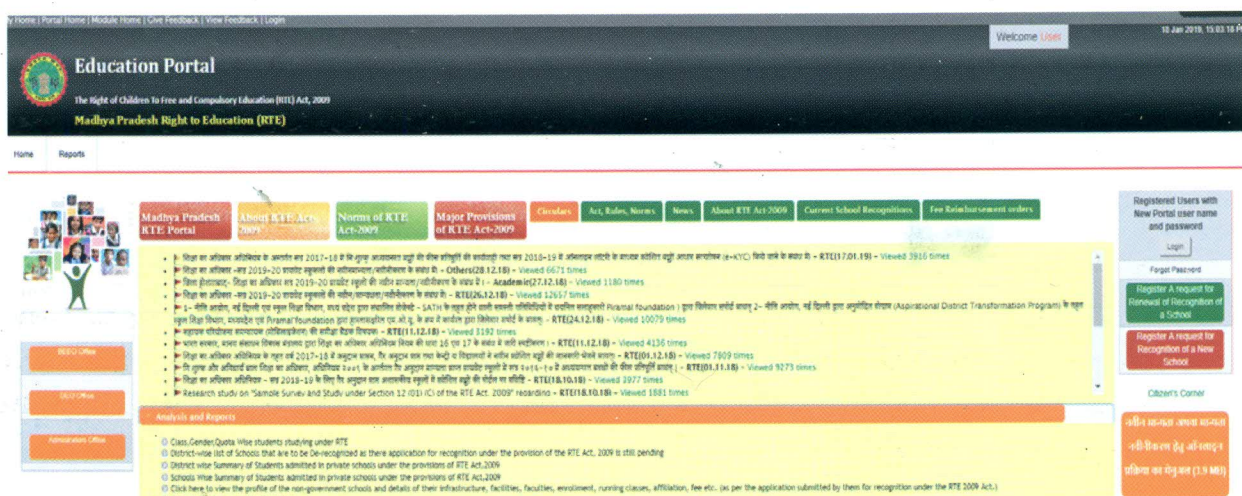
5 अभिनव योजना/पहल

भाग – पांच

अभिनव योजना/पहल

5.1 विभाग में e-governance एवं m-governance

अकादमिक एवं प्रशासनिक कार्यों के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग तथा परिणामों की समीक्षा के लिए विभिन्न स्तरों पर जानकारी की त्वरित उपलब्धता तथा उनके आधार पर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 2008 में एन.आई.सी के सहयोग से विभाग द्वारा एजुकेशन पोर्टल विकसित किया गया।



एजुकेशन पोर्टल पर उपलब्ध सुविधाएं :

- लगभग 3.9 लाख कर्मचारी एवं शिक्षकों की व्यक्तिगत प्रोफाइल एवं ई-सेवा पुस्तिका का संधारण
- सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और शिक्षकों के ऑनलाईन वेतन देयक तैयार करने की व्यवस्था
- वेतन के आधार पर ही सभी अध्यापक संवर्ग का NPS कटौत
- लगभग 1.21 लाख स्कूलों की प्रोफाइल मय जीआईएस फोटो सहित
- ऑनलाईन शिकायत निवारण प्रणाली
- निशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 का क्रियान्वयन।
- शिक्षा का अधिकार अन्तर्गत प्राइवेट स्कूलों की ऑनलाईन मान्यता।
- वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के बच्चों का ऑनलाईन लॉटरी के माध्यम से निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था कायम की गयी
- इस प्रावधान के तहत अध्ययनरत बच्चों का आधार सत्यापन तथा ऑनलाईन बैंकिंग के माध्यम से सीधे स्कूलों के खातों में राशि भेजने की व्यवस्था
- प्रतिभा पर्व पोर्टल के माध्यम से स्कूलों की ग्रेडिंग

- स्कूलों के निरीक्षण एवं फॉलोअप हेतु शाला दर्पण
- अतिथि शिक्षको की ऑनलाइन व्यवस्था
- ई-पाठशाला
- स्कूल नामांकन
- कस्तूरबा गाँधी बालिका विधालय एवं बालिका छात्रावास
- शाला से बाहर बच्चों की निगरानी
- ऑनलाईन सायकिल वितरण प्रणाली
- निर्माण कार्य
- वित्तीय लेखा प्रबन्धन प्रणाली
- युक्तियुक्तकरण प्रणाली
- अध्यापक संवर्ग के ऑनलाइन संविलियन प्रणाली

उपरोक्त कार्यवाही के परिणामस्वरूप विभाग को वर्ष 2017-18 Ministry of Personal, Public grievances & Pensions, Department of Administrative Reforms & Public Grievances- e-governance Division द्वारा Innovation in Existing Project of Government Departments other than PSUs -Category III में Gold अवार्ड प्रदान किया गया है ।

भर्ती नियम, 2018 के अन्तर्गत अध्यापक संवर्ग की शिक्षा विभाग में नियुक्ति (ऑनलाईन)

मध्यप्रदेश राज्य स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षणिक संवर्ग), सेवा शर्तें एवं भर्ती नियम, 2018 प्रकाशित किये गये हैं। नियमों में उल्लेखित प्रावधान के अनुसार अध्यापक संवर्ग की शिक्षा विभाग में नियुक्ति की कार्यवाही जिसमें लगभग 1.85 लाख अध्यापक संवर्ग के व्यक्तियों का सत्यापन, संबंधितों की प्रोफाइल अपडेट करना, दावा आपत्ति प्राप्त करना एवं डिजिटल हस्ताक्षरयुक्त नियुक्ति आदेश जारी करना आदि समस्त कार्यवाही एजुकेशन पोर्टल के माध्यम से कराई गयी। अब तक लगभग 1.5 लाख अध्यापकों के आदेश जारी किये जा चुके हैं।

5.2 मोबाइल गवर्नेंस प्लेटफार्म (एम-शिक्षामित्र) :

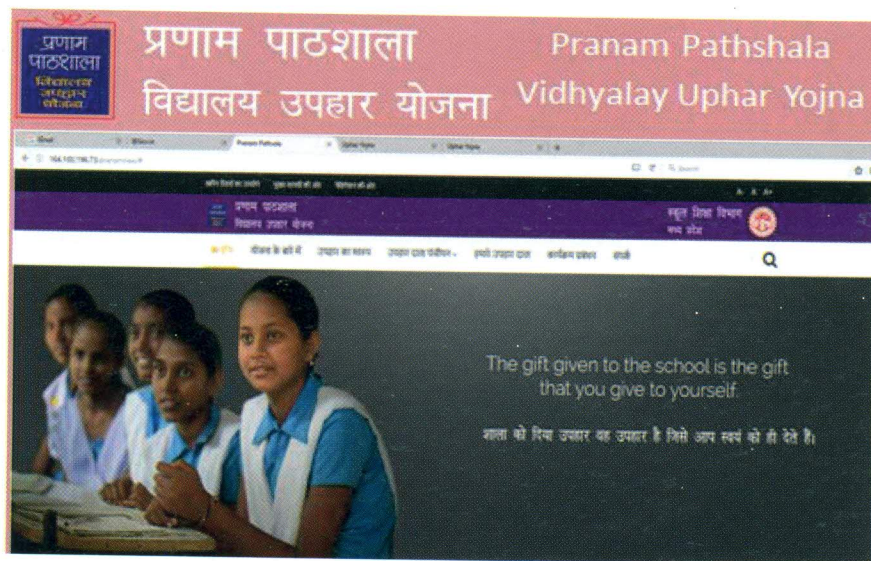
इन्टरनेट-युक्त स्मार्ट फोन की सहज उपलब्धता को संज्ञान में लेते हुए विभाग द्वारा एजुकेशन पोर्टल पर उपलब्ध सभी सुविधाएँ / सेवाओं को चरणबद्ध रूप से एप्प के माध्यम से उपलब्ध कराने के लिए NIC के सहयोग से "m-ShikshaMitra" एप्प को एम-गवर्नेंस प्लेटफार्म के रूप में विकसित किया गया है। एप के माध्यम से सभी उपयोगकर्ताओं (स्टेक होल्डर्स यथा अधिकारी, कर्मचारी एवं शिक्षकों) को विभाग से सम्बंधित सेवायें और सुविधाएँ एक ही प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराई गयी है। एम-शिक्षा मित्र के माध्यम से अनेक सुविधाएँ क्रमबद्ध रूप से प्रदान की जा रही है :

- सभी शालाओं की प्रोफाइल, नामांकन, पदस्थ शिक्षक, सुविधाएं, अधोसंरचना, लोकेशन, शाला में दर्ज विद्यार्थियों की सूची, शाला को राज्य स्तर से जारी प्राप्त राशियाँ / फंड्स इत्यादि
- पे-स्लिप, अवकाश आवेदन पंजीयन, ई-सेवा पुस्तिका, शिक्षको की विभागीय एवं सेवा संबंधित शिकायतों का पंजीयन एवं ट्रैकिंग
- राज्य, संभाग, जिला, ब्लॉक एवं संकुल स्तर के कार्यालयों द्वारा जारी आदेश/सर्कुलर्स.
- विद्यार्थियों की दैनिक उपस्थिति, सुविधाओं जैसे छात्रवृत्ति, साइकिल वितरण आदि का स्टेटस/ट्रैकिंग, विद्यार्थियों का आगामी कक्षा में प्रमोशन इत्यादि
- किसी भी स्थान के पास संचालित सभी स्कूल का मैप पर प्रदर्शन.
- निशुल्क SMS,
- शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 का क्रियान्वयन
- ज्ञान पिटारा



5.3 प्रणाम पाठशाला-विद्यालय उपहार योजना

- **5.3.1 योजना का उद्देश्य**
- इस योजना का मुख्य उद्देश्य शासकीय विद्यालयों/छात्रावासों के भौतिक एवं अकादमिक विकास हेतु समुदाय की सक्रिय भागीदारी प्राप्त करना है। इस योजना के माध्यम से शासकीय शालाओं एवं छात्रावास को सहायता उपहार या राशि के रूप में शाला/छात्रावास को उपलब्ध होगी, जिससे शाला/छात्रावास में सीखने के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। उपहार दाता के रूप में कोई भी व्यक्ति/संस्था योजना से जुड़ सकते हैं। उपहार दाता का शाला से जुड़ाव मात्र उपहार देने तक ही सीमित नहीं रहेगा अपितु शाला एवं उपहार दाता के बीच जीवंत संपर्क बना रहेगा ताकि वह भी शाला के भौतिक एवं अकादमिक विकास के साक्षी बन सके।



- **5.3.2 प्रणाम पाठशाला-विद्यालय उपहार योजना का स्वरूप**
- प्रणाम पाठशाला-विद्यालय उपहार योजना अन्तर्गत शाला से जुड़ने हेतु उपहार दाता के पास तीन विकल्प उपलब्ध हैं –राशि, सामग्री एवं अधोसंरचना के कार्य (अतिरिक्त कक्ष/सम्पूर्ण शाला भवन/शाला का जीर्णोद्धार/भूमि/अन्य अधोसंरचना संबंधी कार्य)।
- प्रणाम पाठशाला-विद्यालय उपहार योजना हेतु पोर्टल का निर्माण किया गया है, जिससे सभी शालाओं/छात्रावास की आवश्यकताओं की जानकारी उपलब्ध एवं कोई भी व्यक्ति/संस्थाओं/शालाओं/छात्रावास को राशि/उपहार देने की सहमति पोर्टल के माध्यम से दे सकेगा।
- **5.3.3 योजना अन्तर्गत की जाने वाली कार्यवाही**
- योजना के क्रियान्वयन हेतु जिला स्तर पर जिला उपहार समिति का गठन किया गया है। जिला कलेक्टर समिति के अध्यक्ष हैं, इसके अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वायक (RMSA), जिला परियोजना समन्वयक (SSA) सहायक परियोजना समन्वयक मोबेलाईजेशन एवं सहायक यंत्री सर्व शिक्षा अभियान सदस्य हैं। जिला शिक्षा अधिकारी सदस्य सचिव हैं।
- राज्य स्तर पर योजना के क्रियान्वयन हेतु राज्य स्तरीय उपहार समिति गठित करने की व्यवस्था, जिसके अध्यक्ष प्रमुख सचिव/सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग हैं तथा आयुक्त, लोक शिक्षण, आयुक्त, आदिम जाति कल्याण विभाग एवं आयुक्त, राज्य शिक्षा केन्द्र (सदस्य सचिव) सदस्य हैं।
- प्रणाम पाठशाला-विद्यालय उपहार योजना शाला और समुदाय के मध्य जीवंत संपर्क निर्मित करने का उत्तम माध्यम है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से समुदाय की सक्रिय सहभागिता से शाला के अधोसंरचनात्मक एवं अकादमिक विकास के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा। प्रणाम

पाठशाला-विद्यालय उपहार योजना के अन्तर्गत वर्ष 2018-19 में लगभग रु. 7 करोड़ 28 लाख की राशि (भूमि/अद्योसंरचना, शैक्षणिक व अन्य सामग्री एवं नगद राशि के रूप में) शालाओं में प्राप्त हो चुकी है।

5.4 हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी शालाओं की अकादमिक मॉनिटरिंग एवं ग्रेडिंग

शिक्षा के स्तर में अपेक्षित सुधार लाना चुनौतीपूर्ण कार्य है। शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। इन प्रयासों की सार्थकता के लिए यह आवश्यक है कि सभी स्कूल नियमित रूप से अपने अध्ययन-अध्यापन पर नजर रखें तथा सुधारात्मक कार्यवाही करते रहें। गुणवत्ता सुधार के उद्देश्य से निर्णय लिया गया कि प्रत्येक शाला द्वारा की जाने वाली मासिक गतिविधियों के आधार पर ग्रेडिंग की व्यवस्था की जाए, ताकि शालाओं में होने वाले सुधार को चिन्हित किया जा सके एवं शालाओं में अपनी शाला को श्रेष्ठ शाला के रूप में स्थापित करने की प्रतिबद्धता आ सकें। अकादमिक सत्र 2017-18 में सितंबर माह से हाई एवं हायर सेकण्डरी स्कूलों में अकादमिक मॉनिटरिंग एवं ग्रेडिंग की व्यवस्था आरंभ कर दी गई है। यह ग्रेडिंग स्वमूल्यांकन आधारित होती है। यह विभाग के विमर्श पोर्टल पर उपलब्ध है।

स्व मूल्यांकन के उपरांत बाह्य मूल्यांकन की व्यवस्था प्रतिभा पर्व के माध्यम से की गई। प्रतिभा पर्व के तहत त्रैमासिक परीक्षाओं के उपरांत सभी हाई एवं हायरसेकण्डरी स्कूलों का निरीक्षण कर शाला की शैक्षिक गुणवत्ता के स्तर का आकलन किया गया।

इसका उद्देश्य प्रत्येक हाई एवं हायर सेकण्डरी स्कूल का निरीक्षण कर प्रत्येक हाई एवं हायर सेकण्डरी स्कूल की शैक्षणिक गुणवत्ता के आकलन, प्रत्येक हाई एवं हायरसेकण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों की उपलब्धियों का मूल्यांकन, विद्यार्थियों के पालकों, विद्यार्थियों एवं बाल केबिनेट से चर्चा एवं संवाद कर उनकी शाला से अपेक्षाओं को समझना है। इसे सतत् प्रक्रिया के रूप में आरंभ किया गया है तथा इसके आशाजनक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। प्राचार्य शिक्षक एवं विद्यार्थी मिलकर स्कूल को बेहतर बनाने के प्रयास कर रहे हैं।

विमर्श पोर्टल

विभाग द्वारा शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं स्कूलों को अकादमिक दृष्टि से सुदृढ़ करने एवं शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विमर्श पोर्टल तैयार किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से निम्नलिखित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं :-

1. विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण विषयों पर वीडियो, मेरिट वाले विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाएं, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र एवं मॉडल उत्तर पोर्टल पर उपलब्ध है। इससे विद्यार्थी किसी भी विषयवस्तु को आसानी से समझ सकेंगे। इस पोर्टल पर यह भी व्यवस्था की गई है कि विद्यार्थी अपनी पठन-पाठन की जिज्ञासाओं को साझा करके उन जिज्ञासाओं के समाधान भी विशेषज्ञ शिक्षकों से प्राप्त कर सकें।

2. प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी – शिक्षक अपने द्वारा किए गए नवाचारों को साझा कर सकते हैं। अध्यापन में आने वाली समस्याओं को चिन्हित कर विशेषज्ञ शिक्षकों से समाधान प्राप्त कर सकते हैं। पठन-पाठन हेतु विषय मान से उपलब्ध पठन-पाठन सामग्री, वीडियो इत्यादि का उपयोग कर अपने पठन-पाठन को अधिक प्रभावी बना सकते हैं।
3. अकादमिक मॉनिटरिंग – स्कूल त्रैमासिक रूप से अपना स्वमूल्यांकन करेंगे। वे अपनी स्थिति एवं विकासखंड, जिले एवं राज्य स्तर पर अन्य स्कूलों की स्थिति देख सकते हैं। स्कूल अपनी ग्रेडिंग एवं ऐसे मुद्दे जिन पर कार्यवाही कर सुधार किया जा सकता है, का विश्लेषण कर सकते हैं।

[Home](#) [RMSA](#) [RSK](#) [NTSE](#) [Academic Calendar](#) [JD](#) [Bridge Course](#) [PLC](#) [BLUEPRINT](#) [QUESTION BANK](#) [Who is Who?](#)

विमर्श

लोक शिक्षण संचालनालय, म.प्र.

राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आर.एम.एस.ए.), म.प्र.

गौतम नगर, गीतापुर-462023, म.प्र., फोन : 0755-2581064

बीच रास्ते से लोटने का कोई फायदा नहीं क्योंकि लोटने पर आपको उतनी ही दूरी तय करनी पड़ेगी जितनी दूरी तय करने पर आप लक्ष्य तक पहुँच सकते हैं।

RMSA

No image available
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

No image available
मंत्री, स्कूल शिक्षा मध्यप्रदेश

No image available
मंत्री, स्कूल शिक्षा मध्यप्रदेश

कक्षा 12वीं के बाद के शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के लिए यहाँ क्लिक करें।

वर्चुअल क्लास की जानकारी दर्ज करने के लिए यहाँ क्लिक करें।

निदानात्मक कक्षाओं हेतु मोड्यूल के लिए यहाँ क्लिक करें।

साइबर सुरक्षा हेतु किशोरों/छात्रों के लिए पुस्तिका को डाउनलोड करने हेतु यहाँ क्लिक करें

Download PLC Mobile App.

कुमारी प्रियांशु बारगे ग्राम सिराठा, जिला छिंदवाड़ा की रहने वाली हैं। उन्होंने गाँव की ही शासकीय शाला से हाई स्कूल बोर्ड की परीक्षा में 91.5 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। उनके पिता श्री कैलाश बारगे एवं माता श्रीमती विमल दोनों ही खेतिहर मजदूर हैं। प्रियांशु आल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस दिल्ली से एम.बी.बी.एस. की पढ़ाई करने के बाद हार्ट सर्जन बनना चाहती है। उनके गाँव के क्षेत्र में कोई डॉक्टर नहीं है, वे डॉक्टर को पढ़ाई कर अपने गाँव के आस-पास ही रहकर लोगों की सेवा करना चाहती हैं।

भाग — छः

6 प्रकाशन

भाग — छः

प्रकाशन

6.1 लोक शिक्षण

स्कूल शिक्षा विभाग की प्रमुख गतिविधियों के संग्रहण एवं संदर्भीकरण की दृष्टि से निम्नानुसार प्रकाशन किये गये : —

- (1) शैक्षणिक कलेण्डर — प्रदेश के शैक्षणिक संस्थाओं में सत्र के दौरान निर्धारित शिक्षण दिवसों में पाठ्यक्रम का शिक्षण पूर्ण हो इस उद्देश्य से शैक्षणिक कलेण्डर का प्रकाशन किया जाता है। पाठ्यक्रम शिक्षण के अतिरिक्त अन्य सहायक गतिविधियों के संचालन व उसमें एकरूपता की दृष्टि से भी यह कलेण्डर अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ है। इस वर्ष प्रदेश के समस्त संभागीय संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी, अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक तथा हाईस्कूल तथा हायरसेकेण्डरी के लगभग 7000 प्राचार्य को प्रशिक्षण दिया गया।
- (2) बालरंग स्मारिका — वार्षिक बाल रंग कार्यक्रम के पश्चात बालरंग स्मारिका का प्रकाशन किया जाता है। स्मारिका के बालरंग कार्यक्रम की झलकियों के साथ साथ अन्य भागीदार प्रदेशों के बार में रोचक जानकारी उपलब्ध कराई जाती है।

6.2 राज्य शिक्षा केन्द्र

राज्य स्तरीय बाल पत्रिका 'गुल्लक'

राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा सत्र 2016-17 से बच्चों की पत्रिका 'गुल्लक' प्रकाशित की जा रही है। पत्रिका का उद्देश्य बच्चों में पढ़ने व लिखने की प्रवृत्ति का विकास करना है। राज्य की समस्त शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर की शालाओं में प्रत्येक शनिवार को आयोजित होने वाली बालसभा में माह के प्रथम शनिवार को अन्य सांस्कृतिक, साहित्यिक गतिविधियों के साथ कविता लेखन, कहानी लेखन, यात्रा-वृत्तान्त लेखन आदि गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इन आयोजनों से बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई रचनाओं को शाला स्तर पर संकलित करते हुए शाला स्तर से तीन रचनाओं को चयनित कर विकासखण्ड स्तर पर भेजा जाता है। शाला स्तर पर शेष रचनाओं को 'शाला पत्रिका' के रूप में संधारित कर पुस्तकालय का हिस्सा बनाया जाता है। विकासखण्ड स्तर पर प्राप्त बच्चों की रचनाओं को विकासखण्ड स्तर पर गठित समिति द्वारा परीक्षण कर तीन श्रेष्ठ रचनाओं को जिला स्तर पर डाईट/डी.आर.सी. को प्रेषित किया जाता है। जिला स्तर पर प्राप्त रचनाओं का जिला स्तरीय अकादमिक समिति परीक्षण कर प्रत्येक जिले से तीन श्रेष्ठ रचना चयनित कर राज्य स्तर पर राज्य शिक्षा केन्द्र को उपलब्ध कराई जाती हैं। जिला स्तर पर प्राप्त रचनाओं में से शेष रचनाओं का वार्षिक पत्रिका के रूप में जिले की बाल पत्रिका 'नवांकुर' के नाम से प्रकाशित की जाती है, जिसे जिले के समस्त शालाओं तक भेजा जाता है।

राज्य स्तर पर प्राप्त रचनाओं को संपादन उपरान्त मासिक पत्रिका 'गुल्लक' का प्रकाशन किया जाता है। पत्रिका में प्राप्त रचनाओं का बाल रचनाकार के नाम के साथ ही प्रकाशित किया जाता है।

पत्रिका के नियमित प्रकाशन से बच्चों में उनकी रचनाओं के प्रकाशन से स्वाभाविक रूप से पढ़ने व लिखने के प्रति रुचि जागृत की जा रही है साथ ही बच्चों में अभिव्यक्ति का कौशल भी विकसित किया जा रहा है।



6.3 एनसीसी संचालनालय

प्रतिवर्ष एनसीसी जनरल का प्रकाशन किया जाता है जिसमें वर्ष के दौरान संपादित एनसीसी गतिविधियों इत्यादि का विवरण दर्शाया जाता है। वर्ष 2018 में एनसीसी जनरल का 54वां संस्करण 'युवास्पंदन' नाम से प्रकाशित किया गया। उक्त एनसीसी जनरल का विमोचन एनसीसी दिवस के अवसर 25 नवम्बर 2018 को महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा किया गया।

